तेवर वही, अंदाज नया .....!
साप्ताहिक

उज्जैन टाइम्स

प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा

RNI No. 7583/61

● वर्ष : 63, अंक : 18 ● उज्जैन, मंगलवार दिनांक 06-02-2024 से 12-02-2024 तक ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 2 रुपये

लाल कृष्ण आडवाणी

'भारत रत्न'

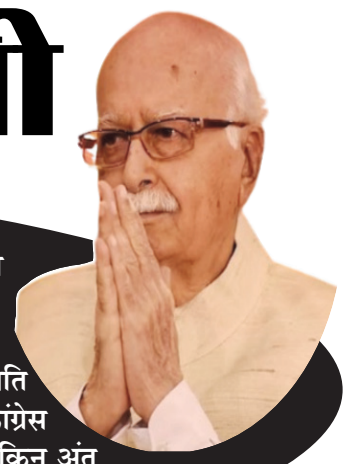

भारतीय राजनीति में कम ही नेताओं ने अपनी ऐसी छाप छोड़ी है जैसे कि लाल कृष्ण आडवाणी ने। साठ साल से भी अधिक समय सक्रिय राजनीति में लगाने वाले आडवाणी का राजनीति में योगदान जितना आंका जाए कम ही प्रतीत होगा। लेकिन कोई अगर पछे कि आडवाणी के योगदान को कम से कम शब्दों में बताया जाए तो मैं इतना ही कहूंगा कि भारतीय राजनीति को दो ध्रुवी बनाना आडवाणी की सबसे बड़ी उपलब्धि है। याद करें वो दौर जब देश की स्वतंत्रता के पश्चात भारतीय राजनीति में कांग्रेस का बोलबाला था। यही वह समय था जब जनसंघ के माध्यम से लाल कृष्ण आडवाणी ने राजनीति में कदम रखा। एक मजबूत कांग्रेस के खिलाफ़ धीरे-धीरे ही सही लेकिन अंत में एक मजबूत विकल्प बनाना, ये आडवाणी की राजनीतिक जीवन यात्रा का सार है। इस यात्रा में उनके मित्र, वरिष्ठ और मार्गदर्शक की भूमिका निभाई अटल बिहारी वाजपेयी ने।

आडवाणी एक अलग वट वृक्ष, आडवाणी राजनीति का अथक रथी

कटु सत्य यही है कि ज्येष्ठ और जन लोकप्रिय नेता होने के नाते वाजपेयी हमेशा आडवाणी से दो कदम आगे रहे। लेकिन खुद वाजपेयी भी हमेशा कहते रहे कि बिना आडवाणी के वो पहले जनसंघ और बाद में भारतीय जनता पार्टी को उन ऊंचाइयों तक नहीं पहुंचा सकते थे जिन पर आज वो दिखाई देती है।

वाजपेयी और आडवाणी

आडवाणी स्वयं यह कहते रहे हैं कि वाजपेयी जैसे ओजस्वी वक्ता के समक्ष उन्हें हीन भावना होती थी। लेकिन दोनों ने अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया। जहां अटल बिहारी वाजपेयी जनसंघ-बीजेपी का चेहरा बने, वहीं आडवाणी संगठन को बनाने-गढ़ने में जुटे रहे। अटल-आडवाणी की इस जोड़ी ने कदम से कदम मिला कर तमाम सफलताओं-असफलताओं को साथ जीया। इनसे सबक लिया और भारतीय जनता पार्टी को उस मुकाम पर पहुँचाया जहाँ उसके बिना भारतीय राजनीति का इतिहास नहीं लिखा जा सकता।

इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि 1995 में स्वयं लाल कृष्ण आडवाणी ने मुंबई में यह घोषणा की थी कि अगर भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आती है तो अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री होंगे। यह तब की बात है जब आडवाणी स्वयं को सोमनाथ-अयोध्या रथ यात्रा के माध्यम से एक जन नेता के रूप में स्थापित कर चुके थे। तब वे लोक सभा में विपक्ष के नेता थे। संघ परिवार का पूरा समर्थन आडवाणी को प्राप्त था। वो संघ परिवार के चहेते बन चुके थे क्योंकि उन्होंने परिवार के सबसे प्रिय विषय हिंदुत्व को भारतीय राजनीति के पटल पर स्थापित कर दिया था। उन्होंने धर्मनिरपेक्षता बनाम छद्म धर्मनिरपेक्षता को बखूबी परिभाषित कर बीजेपी को राजनीतिक तौर पर अछूत की श्रेणी से निकाल कर एक बड़े वर्ग की स्वीकार्यता दिलवा दी थी। बल्कि उसके अगले ही वर्ष चुनाव में बीजेपी को कुछ सहयोगी दलों के साथ सरकार बनाने का अवसर भी मिल गया था। खुद आडवाणी ने अपनी किताब माई कंट्री माई लाइफ में इस घटना का विस्तार से जिक्र किया है। बतौर बीजेपी अध्यक्ष आडवाणी ने जब ये घोषणा की तब कुछ क्षणों के लिए सन्नाटा छा गया लेकिन फिर तालियों की गड़गड़हाट से माहौल गूंज गया। खुद वाजपेयी भी इस घोषणा से हतप्रभ रह गए। इससे पहले कि आडवाणी अपनी बात समाप्त कर अपनी कुर्सी तक जाते वाजपेयी उठ कर खड़े हो गए।

उन्होंने माइक अपने हाथों में ले लिया और एक लंबी चुप्पी के बाद कहा बीजेपी चुनाव जीतेगी। हम सरकार बनाएंगे और आडवाणीजी प्रधानमंत्री बनेंगे। इस पर आडवाणी ने कहा 'घोषणा हो चुकी है।' तब वाजपेयी ने मुस्कराते हुए कहा 'तो फिर मैं भी घोषणा करता हूं कि प्रधानमंत्री।' तो आडवाणी ने उन्हें तुरंत काटते हुए कहा 'अटलजी ही बनेंगे'। इस पर वाजपेयी ने कहा 'ये तो लखनवी अंदाज़ में पहले आप, नहीं पहले आप हो रहा है'। इसके बाद दोनों कुछ क्षणों तक एक-दूसरे को देखते रहे और दोनों शीर्ष नेताओं की आँखें नम हो आईं।

आडवाणी लिखते हैं कि बाद में वाजपेयी ने उनसे पूछा। 'क्या घोषणा कर दी आपने? कम से कम मुझसे तो बात करते' इस पर उनहोंने जवाब दिया 'क्या आप मानते अगर हमने आप से पूछा होता?'

इस बात पर बहस होती रही है और आगे भी होती रहेगी कि आखिरकार आडवाणी को वाजपेयी का नाम स्वयं ही प्रस्तावित करने की क्या आवश्यकता थी। आडवाणी के करीबी रहे कुछ लोग आज भी उनके इस फैसले पर सवाल उठाते हैं। लेकिन आडवाणी ने वही किया जो उन्हें ठीक लगा। और उसके बाद के उनके निर्णयों पर उनकी इस मनोस्थिति की छाप स्पष्ट दिखाई देती है। एक ऐसा नेता जो एक बार अपना निर्णय करने के बाद उससे पीछे नहीं हटता बल्कि उस पर दृढ़ रहता है। इस घटना और निर्णय का जिक्र मैंने विस्तार से इसलिये किया है क्योंकि मुझे लगता है कि इसके बिना आडवाणी के व्यक्तित्व पर अधिक प्रकाश नहीं डाला जा सकता।

शेष पेज 4 पर.....

सम्पादकीय

बच्चों को लेकर चुनाव आयोग की हिदायत

बच्चों को महत्त्व देने और उनका इस्तेमाल करने में फर्क है। विडंबना यह है कि राजनीतिक दुनिया में बच्चों की जिंदगी को अहमियत देने से जुड़े मुद्दों पर तो बहुत कम ध्यान दिया जाता है, मगर अक्सर चुनाव प्रचार में उन्हें एक जरिया बना कर भी उपयोग किया जाता है। निश्चित रूप से यह मानवीय संवेदनाओं के नाजुक पहलुओं को भुनाने की तरह है, जिसमें लोग कई बार बच्चों को देख कर किसी मसले पर अपनी राय बना लेते हैं। जबकि यह भी संभव है कि बच्चों को आगे रख कर कोई व्यक्ति या राजनीतिक समूह अपने वैसे मुद्दों के लिए भी समर्थन हासिल करने की कोशिश कर रहा हो, जिनमें आम लोगों की कोई रुचि न हो या फिर वे उससे असहमत हों। जाहिर है, यह न केवल लोगों की भावनाओं के साथ एक प्रकार का खिलवाड़ है, बल्कि मासूमों का बेजा इस्तेमाल भी है। हालांकि कई राजनीतिक दल या उनसे जुड़े नेता और उम्मीदवार अपने प्रतिद्वंद्वियों पर बच्चों का इस्तेमाल करने के आरोप लगाते रहे हैं, मगर दूसरे स्तर पर वे भी उस तरह के अभियान से परहेज नहीं करते। अब लोकसभा चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों से कहा है कि वे पोस्टर और पर्चों सहित प्रचार की किसी भी सामग्री में बच्चों का इस्तेमाल 'किसी भी रूप में' न करें। अलग-अलग पार्टियों को भेजे अपने परामर्श में आयोग ने दलों और उम्मीदवारों की ओर से चुनावी प्रक्रिया के दौरान ऐसा करने पर अपने 'कतई बर्दाश्त न करने' की नीति के बारे में स्पष्ट किया। दरअसल, भारतीय समाज में बच्चों के प्रति आम लोगों के भीतर भावनाएं और संवेदनाओं की तीव्रता छिपी नहीं रही है। कई बार किसी पार्टी या उसकी नीतियों से गंभीर शिकायत होने के बावजूद लोग बच्चों का चेहरा देख कर अनदेखी कर देते हैं। इससे मुद्दों को लेकर भ्रम की स्थिति पैदा होती है, जिसका असर चुनावों में जीत-हार पर भी पड़ता है। इसके समांतर चुनावी अभियानों में शामिल किए गए बच्चों और उनके मनोविज्ञान पर कैसा असर पड़ता है, इसका ध्यान रखना किसी को जरूरी नहीं लगता। इस लिहाज से देखें तो चुनाव प्रचार में बच्चों का इस्तेमाल किए जाने को लेकर निर्वाचन आयोग के ताजा निर्देश की अहमियत समझी जा सकती है।

मोदी को कमजोर करने की विपक्षी रणनीति नाकाम हुई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्षी गठबंधन को घमंडिया नाम दिया था। उन्होंने कहा था कि अगर सपनों को पूरा करना है, संकल्पों को सिद्ध करना है, तो भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण के खिलाफ पूरे सामर्थ्य के साथ लड़ना होगा। पहली बुराई भ्रष्टाचार है जो हमारे देश की सभी समस्याओं की जड़ में है। भ्रष्टाचार से मुक्ति के लिए हर क्षेत्र और हर सेक्टर में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई समय की मांग है। दूसरी बुराई वंशवादी राजनीति है। वंशवादी व्यवस्था ने देश को जकड़ लिया था और देश के लोगों के अधिकार छीन लिए थे। तीसरी बुराई तुष्टिकरण है। तुष्टिकरण ने देश की मूल सोच,समरस राष्ट्रीय चरित्र पर भी दाग लगाया है। इन लोगों ने सब कुछ नष्ट कर दिया और इसलिए इन तीन बुराइयों के विरुद्ध अपनी पूरी शक्ति से लड़ना होगा। भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण- ये चुनौतियां पनपीं जिन्होंने हमारे देश के लोगों की आकांक्षाओं को दबा दिया। दूसरी तरफ विपक्षी नेताओं ने जातिगत जनगणना को सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया था। इसके अलावा वह लोकतंत्र और संविधान पर हमले के आरोप लगा रहे थे उनका कहना था कि भारत की संस्थाओं पर हमला हो रहा है। हमारी लड़ाई भाजपा की विचारधारा के खिलाफ है। ये लड़ाई इंडिया बनाम बीजेपी है। ये इंडिया बनाम पीएम मोदी की लड़ाई है। विपक्षी नेता कथित रूप से देश को बचाने के लिए बेकरार थे। कह रहे थे कि एक तरफ देश को नफरत से बचाना है और दूसरी तरफ एक नए इंडिया का सपना लेकर हम सब इकट्ठा हुए हैं। मोदी सरकार की बेमिसाल उपलब्धियों के सामने विपक्षी दलीलें निरर्थक साबित हुई। जबकि दो वर्ष कोरोना आपदा में बीते। उसके बाद अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाना दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती बन गई थी। मगर भारत की अर्थव्यवस्था अब भी विकास की राह पर है। बीस लाख करोड़ रुपये के आत्मनिर्भर भारत पैकेज के सहारे भारत की विकास यात्रा को नई गति मिली है तथा देश आत्मनिर्भरता की राह पर बढ़ा है। आजादी के बाद सात दशकों में देश के केवल साढ़े तीन करोड़ ग्रामीण घरों में ही पानी के कनेक्शन थे। लेकिन मोदी के शासन में साढ़े चार करोड़ घरों को साफ पानी कनेक्शन दिए गए हैं। दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना आयुष्मान लागू की गई। इसके दायरे में पचास करोड़ लोग हैं। साढ़े नौ साल में भारत ने डिजिटल लेनदेन में दुनिया को नई दिशा दिखाने का काम किया है। रिकॉर्ड सैटेलाइट प्रक्षेपित किए जा रहे हैं। रिकॉर्ड सड़कें बनाई जा हैं। दशकों से लंबित अनेक योजनाएं पूरी की गई हैं। अनेक पुराने विवाद भी पूरी शांति और सौहार्द से सुलझाए गए हैं। पूर्वोत्तर से लेकर कश्मीर तक शांति और विकास का एक नया भरोसा जगा है। कोरोनाकाल में अस्सी करोड़ लोगों को निशुल्क राशन की व्यवस्था की गई। जन औषधि दवा केन्द्र की संख्या अस्सी से बढ़कर पांच हजार हो गई। करीब सवा सौ नये मेडिकल कालेज खुले हैं। यूपीए के दस वर्ष में भारतीय रेल ने मात्र चार सौ तेरह रेल रोड ब्रिज और अंडर ब्रिज का निर्माण किया। मोदी सरकार ने इससे तीन गुना अधिक निर्माण किया। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के पन्द्रह करोड़ से ज्यादा लाभार्थी हैं। यह दुनिया की सबसे सस्ती योजना है। बिजली उत्पादन में चालीस प्रतिशत वृद्धि हुई। सोलर ऊर्जा में आठ गुना वृद्धि हुई। फसल बीमा योजना का लाभ पहले पचास प्रतिशत नुकसान पर मिलता था। अब किसान को 33 प्रतिशत पर भी मिल जाता है। सरकार ने यूरिया को नीम कोटेड किया जिससे इसकी कालाबाजारी खत्म हुई। देश मे अब यूरिया की कोई कमी नहीं होती। पिछली सरकारों के समय 52 सैटेलाइट लॉन्च किए गए थे।

मोदी सरकार अब तक देशी-विदेशी करीब तीन सौ सैटेलाइट लॉन्च कर चुकी है। यूपीए के समय ग्रामीण सड़क से जुड़ी बस्तियां पचपन प्रतिशत थीं। अब करीब 95 प्रतिशत हैं। मोदी सरकार ने चालीस करोड़ लोगों के जनधन खाते खुलवाए। पहले ये लोग बैंकिंग सेवा से वंचित थे। आयुष्मान, उज्ज्वला और निर्धन आवास योजनाएं संचालित की गई। देश खुले में शौच से मुक्त हो गया। राजीव गांधी ने प्रधानमंत्री रहते हुए कहा था कि सरकारी योजनाओं के एक रुपये में से केवल पन्द्रह पैसा ही गरीबों तक पहुंचता है।

लेकिन वे बस कहकर ही रह गए, समाधान की दिशा में कुछ नहीं किया। समाधान प्रधानमंत्री मोदी ने किया। आज सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ सीधे लोगों के खातों में पहुंच रहा है। इस तरह के अनेक बदलाव की कहानी मोदी के नौ साल के कार्यकाल में लिखी गई है।

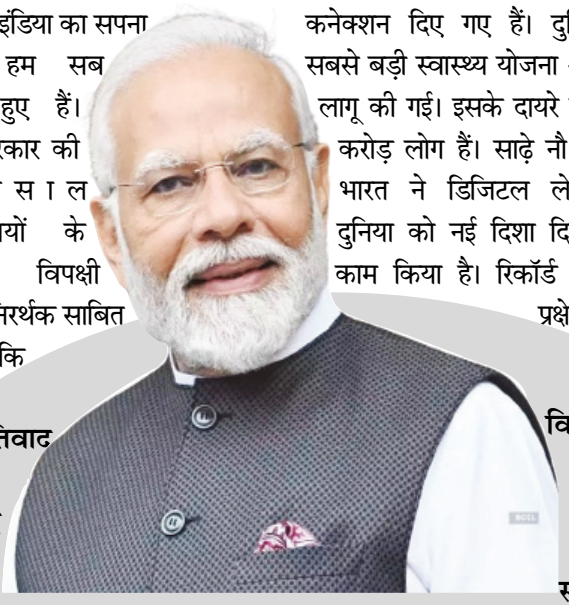

जातिवाद और परिवारवाद को जनता ने नकार दिया है। जोड़-तोड़ कर इन्होंने अपना नामकरण किया था- इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस। जबकि जनमानस का सभ्यतागत संघर्ष भारत और इंडिया के आसपास केंद्रित है। अंग्रेजों ने हमारे देश का नाम इंडिया रखा। इस नामकरण के चलते विपक्षी दलों की जवाबदेही बढ़ गई थी। अब उन्हें यह बताना चाहिए था कि डेवलपमेंट के मुद्दे पर उनकी कितनी विश्वसनीयता है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त प्रगतिशील गंठबंधन संप्रग को दस वर्ष सरकार चलाने का अवसर मिला। पश्चिम बंगाल में डेढ़ दशक से तृणमूल की सरकार है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार को भी अवसर मिला है। बताया गया कि गठबंधन बैठक में शामिल हुए दलों की 11 प्रदेशों में सरकारें हैं। लेकिन बिडंबना यह कि किसी ने भी अपनी सरकार के विकास कार्यों पर एक शब्द भी नहीं कहा। मोदी को कमजोर समझने की विपक्षी रणनीति नाकाम हुई।

मध्यप्रदेश में लागू होगा यूसीसी

भोपाल। मध्य प्रदेश-एमपी डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यूसीसी पर जानकारी मिलेगी। यूसीसी से जुड़े हर पहलुओं पर गहनता से विचार किया जाएगा। डिप्टी सीएम शुक्ल ने कहा कि यूसीसी पर अभी उत्तराखंड सरकार बिल ला रही है।

आगामी लोकसभा चुनाव 2024 पर बोलते हुए डिप्टी सीएम शुक्ल का कहना था कि हार के डर की वजह से कांग्रेसी चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं। कहना था कि कांग्रेसियों को मालूम है कि चुनाव में वे बहुत भारी वोटों से हार जाएंगे, इसलिए कांग्रेसी चुनाव लड़ने से कतरा रहे हैं। डिप्टी सीएम ने कहा कि बीजेपी की हर लोकसभा सीट में प्रचंड जीत होगी।

सिंहस्थ-2028 के प्रस्तावित कार्यों की समिक्षा बैठक आयोजित

उज्जैन। प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधायक श्री अनिल जैन कालुहेड़ा, महापौर श्री मुकेश टटवाल, नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, युडीए अध्यक्ष श्री श्याम बंसल, संभागायुक्त डॉ. संजय गोयल, कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे।

बैठक में सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत प्रस्तावित सड़क निर्माण एवं चौड़ीकरण कार्यों की समीक्षा के दौरान विधायक श्री जैन ने कहा कि सदावल मार्ग का चौड़ीकरण भी प्रस्तावित कार्यों में शामिल किया जाये। संभागायुक्त ने निर्देश दिये कि प्रस्तावित मार्गों का निर्माण संबंधित विभाग के बजट से ही किया जाये।

संभागायुक्त ने निर्देश दिये कि निर्माण कार्यों की कार्य योजना इस प्रकार बनाई जाये कि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

सिंहस्थ के तहत निर्माण कार्यों की लिए बनायी गई सभी ड्राईंग्स का डिजीटाईजेशन किया जाये। बैठक में सिंहस्थ के मद्देनजर प्रस्तावित पेयजल व्यवस्था और स्वच्छता से संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई। इसके अतिरिक्त विद्युत प्रदाय, नये संग्राहलय, उत्कृष्टता केंद्र, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यटन स्थलों के विकास, पार्क, फव्वारे व सौंदर्यीकरण कार्यों की समीक्षा की गई। पुलिस एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान संभागायुक्त ने निर्देश दिये कि सिंहस्थ में मुख्य रूप से एक कमाण्ड और कंट्रोलरूम बनाया जाये जहाँ से संपूर्ण व्यवस्था का निरीक्षण किया जा सके साथ ही जहाँ से समय समय पर आवश्यक दिशा निर्देश जारी किये जाये। कंट्रोल रूम बनाये जाने के संबंध में पुलिस और स्मार्ट सिटी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। सिंहस्थ के एक वर्ष पूर्व पुलिस बल की नियमित रूप से ट्रेनिंग आयोजित की जाये। बैठक में विधायक श्री जैन ने कहा कि दौलतगंज क्षेत्र में मल्टीलेवल पार्किंग की अत्यंत आवश्यकता है। इसके लिए विधिवित प्रस्ताव बनाये जाये। इसके अतिरिक्त पंचक्रोशी पड़ाव स्थलों पर किये जाने वाले विकास कार्यों की डीपीआर भी बनाई जाये।

परीक्षा शुल्क में वृद्धि के विरोध में ज्ञापन दिया

उज्जैन। विश्वविद्यालय परिसर में विधि छात्र महासभा मध्यप्रदेश के विद्यार्थियों ने एकत्रित होकर परीक्षा में लगने वाले शुल्क में वृद्धि के विरोध में प्रदर्शन किया और विक्रम यूनिवर्सिटी, शासकीय विधि, सांदीपनि विधि महाविद्यालय के तीनों जगह पर कुलपति अखिलेश कुमार पांडे के नाम ज्ञापन सोपा गया।

विधि छात्र महासंघ के अध्यक्ष पृथ्वीराज सिंह खिच्ची खेड़ा एवं किशनसिंह राजपूत प्रदीप वाजपेयी ने जानकारी देते हुए बताया कि लगातार एलएलबी की परीक्षा के शुल्क में वृद्धि की जा रही है।एल.एल.बी. के पाठ्यक्रमों कि परीक्षा शुल्क वर्ष 2022-23 में जो 1240 थी वह एक ही वर्ष 2023-24 में लगभग 34त्न कि वृ?द्धि कर 1670 हो गया। साथ ही बीए एल एल बी कि परिक्षा शुल्क में लगभग 1000 रुपए कि बढ़ोतरी कि गई।

इसके विरोध में विक्रम विश्वविद्यालय में प्रदर्शन किया गया और कुलपति के नाम ज्ञापन सोपा और 34त्न हुई शुल्क में वृद्धि का विरोध किया। शुल्क वृद्धि को तत्काल प्रभाव से स्थगित कर पुरानी दर लागू कि जाएं नहीं तो आने वाले दिनों में आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर रितेश बिहानिया, अमन सिंह रघुवंशी, लखन सिंह, धर्मेन्द्र मालवीय, सुरज विश्वकर्मा, दिपक पंवार, हर्षित यादव, योगेन्द्र, दिपक सोलंकी, परवेज अंसारी, आनन्द जयसवाल, राजकुमार सिंह आदि छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पेंशन योजना के हितग्राहियों की ई-केवायसी को प्राथमिकता में रखे

उज्जैन। निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक ने निर्देशित किया है कि शासन योजना अंतर्गत विभिन्न पेंशन योजना के हितग्राहियों की ई-केवाईसी का कार्य प्राथमिकता से करें। इसमें हितग्राहियों में से 16828 हितग्राहियों की ई-केवायसी की जा चुकी है। शेष 7188 हितग्राहियों की ई-केवायसी की जा रही है, अब तक 70.07 प्रतिशत ई-केवायसी का कार्य हो चुका है।

किसी भी प्रकार की लापरवाही ना की जाए, शेष हितग्राहियों से सम्पर्क कर उनकी भी ई-केवायसी की कार्यवाही शीघ्र-अति शीघ्र पूर्ण की जाए।

निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक के निर्देशानुसार अपर आयुक्त श्री आर.एस. मण्डलोई द्वारा अधिकारियों के साथ इंदिरागांधी वृद्धावस्था, विधवा, निःशक्त/परित्यक्ता एवं मुख्यमंत्री कन्या अभिभावक पेंशन/कल्याणी/अविवाहित पेंशन तथा सामाजिक वृद्धावस्था पेंशन योजना के हितग्राहियों की ई-केवायसी के समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि नगर निगम के पेंशन योजना के 24016 बैठक में निर्देशित किया गया कि शेष 7188 हितग्राहियों की ई-केवायसी के लिये हितग्राहियों के घर पर जा कर संपर्क किया जाए एवं उन्हे नजदीकी एमपी आनलाईन या कियोस्क केन्द्र में ई-केवायसी की सूचना प्रदान करते हुए ई-केवायसी करवाई जाए। यदि किसी हितग्राही की मृत्यु हो चुकी हो तो परिवारजन को पेंशन हितग्राही का आधार कार्ड, समग्र आईडी एवं मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करें। अपर आयुक्त श्री आर.एस. मण्डलोई ने निर्देशित किया कि ऐसे हितग्राही जो वार्ड में नही मिलते है तो क्षेत्रीय पार्षद से संपर्क कर जानकारी दे, जिनके बायोमेट्रिक नहीं आ रहे है, दो समग्र आईडी है उनकी सूची तैयार की जाए एवं वार्ड में संपर्क किये गये हितग्राहियों की रिपोर्ट झोनल कार्यालय में दी जाए। बैठक में सहायक आयुक्त श्री प्रदीप सेन, समग्र सुरक्षा अधिकारी श्रीमती रूची मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अध्योध्या दर्शन करने जा रहे भक्तों का सम्मान किया

उज्जैन। बाबा महाकाल की नगरी उज्जयिनी मे रेलवे स्टेशन पर सदा स्मरणीय रहने वाले राममय क्षण बने। जब विहिप बजरंग दल ने प्रभु श्री राम मंदिर दर्शन यात्रा पर जा रहे कारसेवकों का सम्मान किया। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल जिला उज्जैन प्रचार प्रसार प्रमुख गोविंद आहुजा के अनुसार उज्जैन महानगर के कारसेवकों को प्रभु श्रीराम के दर्शन यात्रा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यात्रा का शुभारंभ इंदौर से हुआ जो रतलाम, नागदा होते हुए उज्जैन पहुँची। जहां समस्त कारसेवकों का सम्मान स्वागत वंदन किया गया। इस शुभ अवसर पर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल मालवा प्रांत मंत्री विनोद शर्मा, विभाग धर्माचार्य प्रमुख मुकेश खंडेलवाल, जिला अध्यक्ष महेश तिवारी, कोषाध्यक्ष संतोष धामानी, जिला सहसंयोजक ऋषभ कुशवाह, जिला गोरक्षा प्रमुख राकेश कटारिया, श्री गब्बर बाबा, विनय प्रजापति, अंगद मीणा, गौतम परमार, प्रणव शर्मा, लवेश सोनी, अमन चौरसिया, राहुल चोपड़ा, आदि पदाधिकारी गण एवं कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

शिव विवाह उत्सव मनाया

उज्जैन। श्री विट्ठल पंढरीनाथ जी व कथावाचक श्री मनोहर नागर के सानिध्य में आराधना परिसर नानाखेड़ा की महिला मंडल द्वारा सात दिवसीय शिवमहापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा के चतुर्थ दिवस सोमवार को शिव विवाह उत्सव बढे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

जानकारी धर्मस्व पुजारी महाकालेश्वर मंदिर एवं पुजारी विट्ठल महाराज मंदिर विपिन शर्मा (लल्लागुरू) द्वारा दी गई है।

आडवाणी को मिला 'भारत रत्न'

शेष पेज 1 का.....

ये संयोग ही है कि इस घोषणा के कुछ ही महीनों बाद हवाला कांड में आडवाणी को फंसाया गया और तब उन्होंने इस्तीफा दे कर तब तक लोक सभा न आने का एलान किया जब तक उनका नाम इस कांड से बरी नहीं हो जाता। ये जानते हुए भी कि न्यायिक प्रक्रिया में लंबा वक्त लग सकता है। इसीलिए बीजेपी के सामने नेतृत्व का कोई संकट नहीं था क्योंकि कुछ महीनों पहले ही आडवाणी वाजपेयी का नाम बतौर नेता घोषित कर चुके थे। ज़ाहिर है उनकी इस घोषणा का हवाला कांड से कोई संबंध नहीं था।

बीजेपी एक विकल्प

1984 के चुनाव में सिर्फ दो सीटें पाने वाली बीजेपी 1989 के चुनाव में एक बड़ी ताकत बन चुकी थी। लेकिन आडवाणी को ये एहसास था कि बीजेपी को अपने बूते पर सत्ता में आने के लिए बहुत कुछ करना है। बीजेपी की स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए उसे मुख्य धारा में लाने के लिए पार्टी की विचारधारा में आमूल-चूल परिवर्तन करना होगा। शाह बाने प्रकरण के समय आडवाणी राष्ट्रीय विमर्श में नई शब्दावली जोड़ चुके थे। तुष्टिकरण और वोटबैंक जैसे जुमले एक बड़े वर्ग का ध्यान अपनी ओर खींचने लगे थे। बीजेपी ने उनके नेतृत्व में 1990 में एक रथ यात्रा निकालने का निर्णय किया। जिसका उद्देश्य अयोध्या में राम मंदिर बनाना था।

ये निर्णय न सिर्फ आडवाणी बल्कि भारतीय राजनीति के लिए भी एक 'वॉटरशेड मोमेंट' बना। सीमित हिंदू राष्ट्रवाद को व्यापक करना, मंडल आयोग का सिफारिशों से खंडित नज़र आ रहे हिंदुओं को राम के नाम पर एक करना और बीजेपी के लिए एक ऐसा व्यापक जन मत तैयार करना जो आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय राजनीति में उसकी मजबूत बुनियाद बन सके।

आलोचक हमेशा ये मानते रहे कि आडवाणी की इस यात्रा ने देश को जोड़ने के बजाए बाँटने का काम किया। उनकी इस रथ यात्रा ने देश में कई जगह सांप्रदायिक हिंसा भड़काई। अल्पसंख्यकों विशेषकर मुसलमानों के मन में भय उत्पन्न किया। इस यात्रा ने पूरे देश में हिंदुत्व का एक ऐसा ज्वार उत्पन्न किया जिसने राष्ट्रीय एकता के लिए एक बड़ा प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया।

हालांकि खुद आडवाणी अपनी पुस्तक माई कंट्री माई लाइफ में इन आरोपों की सफाई देते हैं। वो लिखते हैं 'क्या मेरा अभियान मुस्लिम विरोधी था? कतई नहीं। मैं अपने विरोधियों को चुनौती देता हूं कि वो मेरे भाषण का कोई हिस्सा दिखाए जिसमें मुस्लिमों या इस्लाम के खिलाफ हो। इसके ठीक उलट जब मैंने अपनी कुछ सभाओं में नारे सुने कि 'जो हिंदू हित की बात करेगा, वही देश पर राज करेगा' तो मैंने तुरंत उठ कर कहा कि बीजेपी हर भारतीय की नुमाइंदगी करती है चाहे वो हिंदू हो या फिर मुसलमान।'

लेकिन करीब डेढ़ दशक से बीजेपी को कवर करने वाले एक संवाददाता की हैसियत से ये प्रश्न मेरे दिमाग में हमेशा आता रहा कि छह दिसंबर 1992 को बाबरी विध्वंस के लिए आडवाणी का पूरा आंदोलन किस हद तक ज़िम्मेदार था। बल्कि भारत उदय यात्रा के समय मैंने उनसे ये प्रश्न पूछा भी था। मैंने उनसे पूछा था कि अगर आपका आंदोलन अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण के लिए था तो आप बाबरी मस्जिद का क्या करने वाले थे। मस्जिद के ऊपर तो मंदिर नहीं बनाने जा रहे थे। फिर ऐसे में मस्जिद विध्वंस की भर्त्सना क्यों नहीं करते। आडवाणी छह दिसंबर 1992 को अपने जीवन का सबसे दुखद दिन बताते रहे हैं।

चाहे इस आंदोलन ने बीजेपी को राष्ट्रीय राजनीति में एक मजबूत ताकत के रूप में स्थापित किया किंतु इससे मुस्लिम मतदाता हमेशा के लिए बीजेपी से दूर हो गए। बीजेपी को तात्कालिक रूप से आंदोलन से फायदा भी मिला। वो सहयोगियों के साथ तीन बार केंद्र में सत्ता में आने में कामयाब हुई।

अब आगे क्या

आने वाले वर्षों में बीजेपी के लिए कई चुनौतियां हैं। पार्टी का भौगोलिक और सामाजिक विस्तार थम गया है। हिंदू राष्ट्रवाद की कट्टर विचारधारा ने चाहे पार्टी को कांग्रेस का एक मजबूत विकल्प बना दिया लेकिन उसे अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए अभी बहुत कुछ करना बाकी है। बीजेपी सिर्फ एक प्रतिक्रियावादी बल बन कर राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा नहीं बन सकती बल्कि उसे स्वयं की एक सकारात्मक सोच-कार्यक्रम देश के सामने रखना होगा। बीजेपी से ऐसे लोग न जुड़ें जो देश के एक तबके से नफ़रत करते हैं बल्कि इसलिए जुड़ें क्योंकि वो उस देश से प्यार करते हैं जिसका हिस्सा मुसलमान भी हैं। शायद बीजेपी को भी इस बात का एहसास हमेशा रहा कि उग्र हिंदुत्व की छवि के साथ वो देश के सभी तबकों को अपने साथ लेने में कामयाब नहीं हो सकती। इसीलिए बीच-बीच में पार्टी की विचारधारा को बदलने पर अंदर-बाहर मंथन होता रहा है। इसी कड़ी का एक हिस्सा आडवाणी का जिन्ना विवाद भी रहा है।

जिन्ना विवाद

मैं अगर ऊपर की दो घटनाओं को आडवाणी के जीवन की महत्वपूर्ण घटनाएँ मानता हूं तो मेरी नजर में तीसरी बड़ी घटना उनकी पाकिस्तान यात्रा है। आडवाणी स्वयं भी इसे बेहद महत्वपूर्ण मानते हैं और उन्होंने अपनी जीवनी में वहाँ की घटनाओं का विस्तार से जिक्र किया है।

एक संवाददाता की हैसियत से इस पूरे विवाद को मैंने बेहद नजदीक से देखा है। अब अगर अपनी स्मृतियों को झंझोड़ कर देखूं तो मुझे लगता है कि आडवाणी की ये बात सही है कि ये पूरा विवाद इलैक्ट्रॉनिक मीडिया की बेसब्री और खबरों को तुरत-फुरत परोस देने के रवैये का नतीजा था। आडवाणी सही कहते हैं कि उन्होंने कभी भी जिन्ना को सेक्यूलर नहीं कहा। लेकिन मुझे याद हैं जून 2005 की वो चीखती-चिल्चीलाती आवाजें जो टेलीविज़न के पर्दों से कान-फाड़े सुनाई दे रही थीं-'आडवाणी ने कहा जिन्ना सेक्यूलर थे'। किसी के पास इतना वक्त नहीं था कि वो समग्रता में पूरे विषय को देखे।

लेकिन इस पूरे मसले पर सफ़ाई न देने का फैसला कर आडवाणी ने स्वयं के लिए बड़ी मुसीबत खड़ी कर ली। पार्टी में उनके सहयोगियों और व्यापक संघ परिवार में इस पूरे विवाद की इतनी तीखी प्रतिक्रिया की आशंका शायद उन्हें भी न रही हो। आलोचकों ने ये कहना शुरू कर दिया कि आडवाणी इस प्रकरण से अपनी छवि बदलना चाहते हैं और इसीलिए उन्होंने पाकिस्तान की धरती पर जाकर उस व्यक्ति को सेक्यूलर कह दिया जिसने दो राष्ट्र सिद्धांत का प्रतिपादन कर भारत का विभाजन कराया और लाखों बेगुनाह इंसानों का खून बहाया गया।

इतिहास गवाह है कि इस विवाद के बावजूद आडवाणी को चाहे शुरुआत में पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया लेकिन बाद में उन्हें ही 2009 के चुनाव में बीजेपी और एनडीए की ओर से प्रधानमंत्री पद का दावेदार घोषित किया गया। ये बीजेपी की विकल्पहीनता का सबूत नहीं बल्कि पार्टी के भीतर आडवाणी के कद का परिचायक था।

आडवाणी एक अलग वट वृक्ष

राजनीति में कई तरह के वट वृक्ष होते हैं। अधिकांश ऐसे जिनकी छाया में कोई वनस्पति फल-फूल नहीं पाती। इन वट वृक्षों की पत्तियों की सघनता सूर्य की धूप जमीन तक नहीं जाने देती। इसकी मजबूत जड़ें गहराई से पानी निकाल लाती हैं और दूसरे पेड़-पौधों के पनपने के लिए कुछ नहीं छोड़तीं।

भारतीय राजनीति में लाल कृष्ण आडवाणी एक भिन्न प्रकार के वट वृक्ष हैं। पार्टी की कमान संभालते हुए उनके बारे में हमेशा कहा गया कि वे दूसरे नेताओं के लिए काफी स्थान छोड़ते हैं। सबकी सुनते हैं। उनकी छाया के नीचे कइयों को फलने-फूलने का अवसर मिला। आज बीजेपी में जिसे दूसरी पीढ़ी कहा जाता है वो पार्टी को आडवाणी की ही देन है। वो ऐसे बरगद नहीं थे जिसके नीचे कोई पनप नहीं पाया।

लेकिन अब जबकि आडवाणी अपने जीवन के सांध्य काल में हैं उनके बारे में कई तरह के प्रश्न खड़े किए जा रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि आडवाणी अब भी अपनी विरासत किसी को सौंपना नहीं चाहते बल्कि वो स्वयं ही अब भी अपने-आप को प्रधानमंत्री पद की दौड़ में बनाए रखना चाहते हैं। जिन नेताओं को उन्होंने अपने हाथों से बना-संवार कर खड़ा किया है उन्हीं के मन में आडवाणी की महत्वाकांक्षाओं को लेकर संशय बना हुआ है।

इन बातों में कुछ हद तक सच्चाई जरूर है। लेकिन मुझे इस बात का एहसास हमेशा रहा है कि व्यक्तिगत तौर पर आडवाणी को जितना गलत समझा गया है उतना शायद किसी और राजनेता को नहीं। 2009 की हार के बाद उन्होंने स्वयं ही इस बात की घोषणा की थी कि वो अब लोक सभा में नेता विपक्ष नहीं रहेंगे बल्कि दूसरी पीढ़ी के नेताओं को कमान सौंपी जाएगी। इसी के बाद लोक सभा और राज्य सभा में दूसरी पीढ़ी के दो चेहरों को बीजेपी का चेहरा बनाया गया। ये भी कहा गया था कि आडवाणी अब पार्टी के मार्गदर्शक की भूमिका निभाएंगे।

हाल में उनकी जन चेतना यात्रा के बाद से ये प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या आडवाणी अब भी स्वयं को प्रधानमंत्री पद की दौड़ में बनाए रखना चाहते हैं। इस प्रश्न का उत्तर वो दे चुके हैं कि इस बारे में पार्टी ही फैसला करेगी। लेकिन इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि अगर बीजेपी को अपने सहयोगियों के साथ केंद्र में सरकार बनाने का अवसर मिला तो आडवाणी एक मजबूत उम्मीदवार के तौर पर अब भी उभर सकते हैं। लेकिन तब ये निर्णय भी उन्हें ही करना होगा कि 1995 की तरह वो पार्टी में किसी दूसरे अटल बिहारी वाजपेयी का नाम आगे बढ़ाएँगे या फिर खुद ही कमान संभालने के लिए मैदान में उतर जाएंगे।

● अखिलेश शर्मा

(लेखक एनडीटीवी में एसोसिएट एडीटर पॉलिटकल हैं। लेख में व्यक्त विचार उनके निजी हैं)

इंदौर में दसवीं कक्षा का प्रश्नपत्र आउट होने की खबर असत्य

इंदौर। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल की 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा सोमवार से प्रारम्भ हुई। इन्दौर में सोशल मीडिया पर 10वीं कक्षा की इस परीक्षा का प्रश्नपत्र आउट होने संबंधी खबर वायरल होने पर जिला प्रशासन ने स्पष्टीकरण दिया है और उक्त खबर को असत्य बताया है। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि इन्दौर में किसी भी तरह से आज हुई परीक्षा का प्रश्नपत्र आउट नहीं हुआ है। सोशल मीडिया पर वायरल प्रश्नपत्र फर्जी है। वितरित हुए प्रश्नपत्र और सोशल मीडिया पर वायरल प्रश्नपत्र के कोड और प्रश्न भिन्न हैं। कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा है कि वायरल प्रश्नपत्र किसी भी तरह से इन्दौर जिले से सम्बधित नहीं है। प्रश्नपत्र आउट होने संबंधी ख़बर पूरी तरह से असत्य है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन ने बताया कि प्रश्नपत्र आउट होने की ख़बर मिलते ही सोशल मीडिया पर वायरल प्रश्नपत्र की जॉच कराई गई। जॉच में वायरल प्रश्नपत्र फर्जी पाया गया।

प्रश्नपत्र और वायरल प्रश्नपत्र के कोड़ अलग है और प्रश्न भी भिन्न है। उन्होंने कहा है कि जिले में परीक्षा पूर्ण पारदर्शी, निष्पक्ष तथा निर्विघ्न रूप से कराई जा रही है।

इंदौर को 15 दिनों में बाल भिक्षुक मुक्त शहर बनायेगें

इंदौर। सभी विभागीय अधिकारी फील्ड में पहुँचकर विभागीय योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की मैदानी हकीकत पता करेंगे। इंदौर शहर को अगले 15 दिनों में बाल भिक्षुक मुक्त शहर बनाया जाएगा। इस सम्बन्ध में कार्यवाही के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा दल गठित किए गए हैं। रेस्क्यू किए गए बच्चों को शिक्षा से भी जोड़ा जाएगा। शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। रेरा संबंधी बकाया राशि वसूल करने के लिए संपत्ति कुर्क कर उसकी नीलामी की जाएगी।

यह जानकारी यहां कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई समय सीमा (टीएल) प्रकरणों की समीक्षा बैठक में दी गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर गौरव बेनल, सपना लौवंशी, रोशन राय तथा निशा डामोर सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर आशीष सिंह ने सीएम हेल्पलाईन के तहत दर्ज प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी दर्ज प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें। प्रकरणों के निराकरण में किसी भी तरह की लापरवाही तथा उदासीनता नहीं बरती जाए। लापरवाही तथा उदासीनता बरतने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। बैठक में कलेक्टर सिंह ने निर्देश दिए कि रेरा संबंधी बकाया राशि वसूल करने के लिए संबंधितों की संपत्ति कुर्क की जाए। बकायादारों को नोटिस जारी करें। नोटिस के अनुसार समय सीमा में राशि जमा नहीं करने पर संबंधितों की संपत्ति कुर्क कर नीलामी की कार्यवाही की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि शासकीय जमीन पर अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाए। सभी राजस्व अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों का भ्रमण कर यह सुनिश्चित करें कि किसी भी शासकीय जमीन पर अतिक्रमण नहीं हो पाये। उन्होंने राजस्व अधिकारियों का निर्देश दिए कि राजस्व महाअभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। अधिकारी अपने अधिनस्थ अधिकारियों के कार्यो की प्रगति की प्रतिदिन मॉनीटरिंग करें। हर सप्ताह टीएल की बैठक में इस अभियान की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि राजस्व प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण किया जाए।

बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी फील्ड का लगातार भ्रमण करें। भ्रमण के दौरान वे विकास कार्यों, विभागीय योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की प्रगति की मैदानी हकीकत पता कर मौके पर समीक्षा करें। भ्रमण का प्रतिवेदन हर सप्ताह टीएल की बैठक में प्रस्तुत करें। निरीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं करने पर संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टर आशीष सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अगले 15 दिनों में शहर को बाल भिक्षुक मुक्त शहर बनाया जाए।

इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी रामनिवास बुधोलिया ने बताया कि शहर में प्रमुख रूप से 27 चौराहों और 7 बड़े मंदिरों में बाल भिक्षावृत्ति दिखाई देती हैं। इन जगहों पर कार्यवाही के लिए दल बनाए गए हैं। इन दलों द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि भिक्षावृत्ति से मुक्त कराए गए बच्चों के शिक्षण की व्यवस्था भी की जाए। आवश्यक होने पर बच्चों को हॉस्टल में भी रखा जाए। उन्होंने इन्दौर में आगामी 20 फरवरी को आयोजित होने वाले दिव्यांग रोजगार मेले की तैयारियों की भी समीक्षा की।

जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, शासकीय भूमि से बने 64 अवैध निर्माण किए गए ध्वस्त

इंदौर। इन्दौर जिले में शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण कर उस पर कब्जा करने तथा अवैध रूप से शासकीय जमीन बेचने वालों के विरूद्ध कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर जिला प्रशासन के अमले द्वारा बड़ी कार्यवाही की जा रही हैं। इसी के तहत जिला प्रशासन,नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा शासकीय भूमि पर अवैध रूप से किए गए 64 अवैध निर्माण ध्वस्त किए गए। इस कार्यवाही में आठ करोड़ 65 लाख रुपये मूल्य की बेशकीमती शासकीय जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई गई।

एसडीएम ओमनारायण बड़कुल ने बताया कि नूरानी कालोनी,खिजरा पार्क तथा एयरपोर्ट की दीवार के पास लक्ष्मी नगर में जिला प्रशासन,नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। इस क्षेत्र में शासकीय सेवा भूमि,सड़क की भूमि एवं नजूल भूमि को भूमाफियाओं द्वारा बेच दिया गया था। जिस पर अतिक्रमण कर बनाए गए मकानों/दुकानों/फेक्ट्रियों के अवैध निर्माण को तोड़ा गया।

एसडीएम बडकुल ने बताया कि ग्राम बांक में खसरा नम्बर-44 मद सेवा भूमि (शासकीय) में बने कच्चे टीन शेड के 18 मकान को तोडकर ग्राम बांक की सेवा भूमि रकबा 0.253 हेक्टयर भूमि जिसकी कीमत (बाजार मूल्य) एक करोड 70 लाख रुपये के लगभग है। ग्राम सिरपुर में खसरा नम्बर 96/1 रकबा 2.673 हेक्टेयर पर बने नवीन व निर्माणाधीन अवैध मकान, गोदामनुमा, टीनशेड की बाजार मूल्य लगभग चार करोड 80 लाख रुपये है। इसी प्रकार सर्वे नम्बर 101 शासकीय भूमि (मद सडक) पर अवैध 11 पक्का गोडाउन व टीन शेड व्यवसायिक स्तर की छोटी फेक्ट्री बने हुए थे, जिन्हें तोड़ा गया। शासकीय रास्ते की भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया, जिसकी बाजार मूल्य लगभग 2 करोड 15 लाख रुपये है।

इस प्रकार आज कुल 3.973 हेक्टयर भूमि पर स्थित कुल 64 अतिक्रमण से हटाए गए जिसकी कुल बाजार मूल्य कीमत 8 करोड़ 65 लाख रुपये लगभग है।

मंत्री टेटवाल ने डॉ. अम्बेडकर जन्म स्थली स्मारक पहुंचकर अर्पित की पुष्पांजलि

इंदौर। कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री गौतम टेटवाल डॉ. अम्बेडकर नगर महू पहुंचे।

यहां उन्होंने डॉ. बाबा साहब भीमराव अम्बेड़कर की जन्म स्थली पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। उन्होंने स्मारक का अवलोकन भी किया।

इस अवसर पर पूर्व पार्षद सूरज कैरो, जनपद अध्यक्ष महू सरदार सिंह मालवीय, अम्बेडकर स्मारक के राजेश वानखेड़े सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

इंदौर जिले के डॉ. अम्बेडकर नगर महू में गुरूजी रविन्द्र शर्मा स्वरोजगार प्रशिक्षण केन्द्र का मंगलवार को सुरेश सोनी ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री गौतम टेटवाल, विधायक उषा ठाकुर, महाप्रबंधक कोल इंडिया रेणू चतुर्वेदी तथा प्रबंध निर्देशक पाथ इंडिया नितिन अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

मप्र विधानसभा बजट सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण से होगी

भोपाल। मध्य प्रदेश की 16वीं विधानसभा का दूसरा सत्र (बजट सत्र) बुधवार से प्रारंभ हो रहा है। सत्र की शुरुआत राज्यपाल मंगुभाई पटेल के अभिभाषण होगी। विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह ने बताया कि 19 फरवरी 2024 तक चलने वाले इस सत्र में कुल नौ बैठकें होगी। इस सत्र के लिए अब तक चार स्थगन, 259 ध्यानाकर्षण, 58 शून्यकाल, नियम 139 के तहत चार सूचनाएं, 12 अशासकीय संकल्प, 2302 प्रश्न प्राप्त हुए हैं। दरअसल, इस सत्र में 12 फवरी को डॉ. मोहन यादव की सरकार वर्ष 2024-25 के लिए लेखानुदान और 2023-24 के लिए अनुपूरक बजट पेश करेगी। इस सत्र में सरकार अपनी योजना का अनुमानित खर्च बताएगी। इसमें बजट पेश नहीं किया जाएगा। लेखानुदान अप्रैल से जुलाई 2024 का होगा। इसके एक लाख करोड़ से ज्यादा का होने का अनुमान है। विधानसभा का सत्र हंगामेदार होने के आसार है। कांग्रेस ने कानून व्यवस्था से लेकर भर्ती परीक्षाओं के अब तक रिजल्ट नहीं आने, पेपर लीक मामला, लाड़ली बहनों को गैस सिलेंडर नहीं मिलने और धान पर बोनस की घोषणा आदि मुद्दों पर विधानसभा में भाजपा सरकार को घेरने की रणनीति तैयार की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने पास के विभागों के सवालों के जवाब देने की जिम्मेदारी सात मंत्रियों को सौंपी है।

विशेष निधि से शहर विकास के कार्य करवाए जाएंगे-आयुक्त

उज्जैन। निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक द्वारा शिल्पज्ञ विभाग की समीक्षा तकनीकी अधिकारियों के साथ करते हुए निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुसार स्पेशल असिस्टेंस (विशेष निधि) से उज्जैन शहर में विकास कार्यो के साथ ही बड़े निर्माण कार्य करवाए जाएंगे।

निगम आयुक्त द्वारा नगर निगम शिल्पज्ञ विभाग द्वारा शहर विकास हेतु किए जा रहे निर्माण कार्यो के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक लेते हुए विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यो की समीक्षा की गई। बैठक में कायाकल्प अभियान अंतर्गत प्रमुख मार्गो के डामरीकरण कार्य, नेशलन क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत किए जा रहे कार्यो के साथ ही नगर निगम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में करवाए जा रहे निर्माण कार्यो की समीक्षात्म चर्चा करते हुए उनकी वर्तमान स्थिती की जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त ने निर्देशित किया कि नेशलन क्लीन एयर प्रोग्राम अन्तर्गत जो भी कार्य जारी है एवं करवाए जाना है उन्हे निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करते हुए प्राप्त राशी का उपयोग किया जाए। निगम आयुक्त द्वारा जंतर मंतर वेधशाला में वैदिक घड़ी निर्माण कार्य की जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देशित किया कि वैदिक घड़ी का लोकार्पण 01 मार्च से प्रारंभ हो रहे विक्रम व्यापार मेले के अंतर्गत करवाया जाना प्रस्तावित है। इसलिए वैदिक घड़ी के शेष बचे कार्यो को शीघ्र पूर्ण किया जाए साथ ही वॉच टावर पर जो घड़ी लगना है उससे संबंधित कार्यवाही भी पूर्ण की जाए।

फाजलपूरा स्थित निमग के निर्माणाधिन मार्केट की जानकारी प्राप्त करते हुए निगम आयुक्त ने निर्देशित किया कि मार्केट के शेष कार्य फरवरी माह में ही पूर्ण किए जाए ताकि इसका शीघ्र लोकार्पण हो एवं दुकानों का आवंट ऑनलाईन माध्यम से किया जाए।

निगम आयुक्त ने निर्देशित किया कि उज्जैन शहर मुख्यमंत्रीजी का गृह नगर है इस बात का विशेष ध्यान रखते हुए ऐसे प्रोजेक्ट बनाए जाएं जो शहर विकास में अपनी पहचान बनाए इसलिए निगम के तकनीकी कंसलटेंट के साथ बैठक करते हुए शहर विकास के साथ ही निगम हित में प्राजेक्ट तैयार किए जाए।

निगम आयुक्त श्री अशीष पाठक ने निर्देशित किया कि जिन निर्माण कार्यों से संबंधित निविदा प्रक्रियाएं पूर्ण होकर कार्य आदेश जारी हो चुके है उन्हे शीघ्र प्रारंभ किया जाए। यदि कोई ऐजेंसी कार्य आदेश मिलने के बाद भी कार्य प्रारंभ नही करती है तो उसे टर्मिननेट करने की कार्यवाही की जाए। बैठक में अपर आयुक्त श्री संजेश गुप्ता, अधीक्षण यंत्री श्री आर.आर. जारोलिया, कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री, झोनल अधिकारी, उपयंत्री उपस्थित रहे।

गडकरी की पत्नी ने किये महाकाल के दर्शन

उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकाल के मंदिर में वीआईपी श्रद्धालुओं का आना लगातार जारी है।

इसी क्रम में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की पत्नी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पत्नी बाबा महाकाल के दरबार में पहुंचीं, जहां उन्होंने भगवान का पूजन-अर्चन अभिषेक कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

श्री महाकालेश्वर मंदिर के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने बताया कि रविवार को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की पत्नी कंचन गडकरी बाबा महाकाल के मंदिर दर्शन करने पहुंची थीं।

उन्होंने बाबा महाकाल के चांदी द्वार से दर्शन किए।

माथा टेका और नंदी हॉल मे बैठकर बाबा महाकाल की आरती में शामिल हुईं। इस दौरान श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पं घनश्याम गुरु और पं. आशीष गुरु द्वारा पूजा अर्चन करवाया गया। मंदिर समिति की ओर से केंद्रीय मंत्री की पत्नी का स्वागत सम्मान भी किया गया।

वहीं, रविवार शाम को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की धर्मपत्नी सीमा यादव, नगर पालिक निगम उज्जैन अध्यक्ष कलावती यादव ने भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन किए। पूजन पुजारी राजेश शर्मा द्वारा करवाया गया।

आत्मनिर्भर भारत पर हुई संगोष्ठी

उज्जैन। भारतीय ज्ञान परंपरा वैभवशाली और समाज वर्धक है। हमें उस का मूल्यांकन पश्चिमी दृष्टि से नहीं करना चाहिए। भारत सरकार संपूर्ण समाज के उत्थान के लिए सूक्ष्मता से काम कर रही है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 2047 तक विकसित भारत की संकल्पना प्रस्तुत की है। हमारा यह अंतरिम बजट महत्वपूर्ण है।

शिक्षित समाज ही विकसित समाज बन पाता है। समाज में शिक्षा का महत्व है। हमारे बजट में शिक्षा के लिए 10: राशि होना चाहिए।

यह उदगार शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली की आत्मनिर्भर भारत अभियान के राष्ट्रीय संयोजक ओम शर्मा ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता है।

हमारे पंचांग वैज्ञानिक पद्धति से बनाए गए हैं। हमें जन्मदिवस तिथि के अनुसार मनाना चाहिए। यह जानकारी देते हुए न्यास के प्रचार प्रसार संयोजक डॉ. जफर महमूद ने बताया कि न्यास और रेडिएंट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित शिक्षा, बजट और आत्मनिर्भर भारत पर हुई आभासी राष्ट्रीय संगोष्ठी मे स्वागत वक्तव्य नितिन भसेड़ीया ने दिया। पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय रायपुर के प्रो रवींद्र ब्रहमें ने मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि भारत सरकार का बजट प्रगतिशील बजट है।

इस बजट को विकसित भारत की कल्पना को दृष्टिगत रखते हुए बनाया गया है। आत्मनिर्भर अभियान के मध्य क्षेत्र संयोजक डॉ देवेंद्र विश्वकर्मा ने कहा कि बजट से विकास कार्य होते हैं। भारत सरकार का यह अंतरिम बजट है।

शिक्षा से व्यक्ति समाज और राष्ट्र का निर्माण होता है। डॉ आंबेडकर को शिक्षा के क्षेत्र में आदर्श माना जाना चाहिए।

शिक्षा का महत्व समाज उत्थान के लिए महत्वपूर्ण है। गोष्ठी का संचालन डॉ. कुबेर सिंह गुरुपंच ने किया। आभार डॉ निलेश शर्मा ने माना।

मनरेगा के पुराने कामों को शीघ्रता से पूर्ण कराये जाये

उज्जैन। कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रशासनिक संकुल भवन में बैठक लेकर विकास कार्यों की तहसीलवार समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने जिला पंचायत में संचालित योजना, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक न्याय, योजना एवं सांख्यिकी, आदिम जाति, रेशम, खादी एवं हस्तशिल्प तथा हाथकरघा विभाग के द्वारा किये जा रहे निर्माण कार्यों और संचालित योजनाओं की विस्तार से समीक्षा कर सम्बन्धित विभागों को निर्देश दिये कि मनरेगा के पुराने कामों को शीघ्रता से पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित करें। वर्ष 2019-20 के स्वीकृत पंचायत भवनों के निर्माण कार्यों को पूर्ण कराया जाये।

कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने स्वच्छ भारत अभियान अन्तर्गत ओडीएफ ग्राम बनाना है। उन्हें मॉडल श्रेणी में लाया जाये। शिप्रा शुद्धिकरण की योजना अन्तर्गत कलेक्टर ने निर्देश दिये कि जिले में शिप्रा नदी के किनारे के गांवों को कीचड़मुक्त, गन्दगीमुक्त, कचरामुक्त, ओडीएफ मॉडल के लिये जिला पंचायत स्तर पर दल गठित कर उनकी मॉनीटरिंग की जाये।

बैठक में बताया गया कि शिप्रा नदी के किनारे जिले की उज्जैन, घट्टिया एवं महिदपुर जनपद पंचायतों के 74 ग्रामों में दल गठित कर शिप्रा नदी को स्वच्छ बनाने में कार्य किया जाये। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिये कि कपिल धारा, शान्तिधाम के काम, पंचायत भवन निर्माण के काम, आंगनवाड़ी भवन आदि के अपूर्ण कार्यों को पूर्ण किया जाये। एरिया आफिस एप में फिल्ड में जो अधिकारी भ्रमण करते हैं एवं उस पोर्टल पर फोटो सहित एप पर अपलोड करना सुनिश्चित करें।

माह की 10 तारीख तक एप में फोटो भ्रमण का अपडेट किया जाये। कलेक्टर ने स्वच्छता भारत अभियान के अन्तर्गत ओडीएफ प्लस ग्रामों की प्रगति की विस्तार से तहसीलवार समीक्षा की।

कलेक्टर ने बैठक में प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण में दिये गये लक्ष्य की पूर्ति समय पर की जाये और वर्तमान में अपूर्ण आवासों को पूर्ण कराये जायें।

मप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्व-सहायता समूहों के आर्थिक सशक्तिकरण हेतु बैंक लिंकेज की समीक्षा की। वहीं रोजगार एवं कौशल उन्नयन की विस्तार से समीक्षा कर सम्बन्धितों को निर्देश दिये। पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना की समीक्षा के दौरान कहा कि रसोईयों को मानदेय समय पर दिया जाना सुनिश्चित करें।

बैठक में आदिम जाति कल्याण विभाग के द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति की बस्तियों में विकास निर्माण कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण के द्वारा किये जा रहे कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा के दौरान सम्बन्धित अधिकारी को निर्देश दिये कि जिले में रजिस्टर्ड दिव्यांगजनों को आधार मानकर वर्गीकरण कर जिले में एलिम्को के माध्यम से वृहद पैमाने पर शिविर आयोजित किया जाये।

इसके पूर्व दिव्यांगजनों के छोटे-छोटे शिविर आयोजित कर प्रीप्रशिक्षण आदि की कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। तत्पश्चात चुनाव बाद वृहद पैमाने पर शिविर आयोजित किया जायेगा। कलेक्टर ने सम्बन्धित विभाग के अधिकारी को निर्देश दिये कि वे इसके पूर्व एलिम्को से शिविर के सम्बन्ध में बैठक कर योजना तैयार कर ली जाये।

सामाजिक न्याय विभाग के द्वारा विविध पेंशनधारकों की डोर टू डोर परीक्षण कर उनका ई-केवायसी करना सुनिश्चित करें। डोर टू डोर सर्वे के दौरान मृतक हो चुके उनके नाम पृथक कर दिया जाये। अप्रारम्भ आंगनवाड़ी है उन्हें प्रारम्भ कर समय पर पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने उपस्थित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन-जिन विभागों में रिक्त पद हैं, उनकी एकजाई सूची जानकारी जिला पंचायत के माध्यम से भिजवाना सुनिश्चित करें।

विद्यार्थियों को सम्राट विक्रमादित्य की न्यायप्रियता, दानशीलता, पुरुषार्थ, पराक्रम और सुशासन की प्रेरणा मिलेगी-मुख्यमंत्री

बुधनी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सीहोर जिले की बुधनी तहसील के ग्राम बगवाड़ा में विद्याभारती मध्यप्रांत द्वारा प्रारंभ किये जा रहे सम्राट विक्रमादित्य सैनिक स्कूल का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य के नाम पर बनने वाले सैनिक स्कूल में अध्ययन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्राट विक्रमादित्य की न्यायप्रियता, दानशीलता, पुरुषार्थ, पराक्रम और सुशासन की शिक्षा और प्रेरणा मिलेगी।

कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, स्वामी ईश्वरानंद महाराज (उत्तम स्वामी), आरएसएस के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री सुरेश सोनी, विजय कुमार सिन्हा, अशीष चौहान, श्री श्रीराम अरावकर ने भी संबोधित किया। राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री रमाकांत भार्गव, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री सीताशरण शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विद्या भारती संस्थान द्वारा इस सैनिक स्कूल के माध्यम से विद्यार्थियों में संस्कार और राष्ट्रनिर्माण की भावना को विकसित करने का काम किया जायेगा। नई शिक्षा नीति के निर्माण में विद्या भारती संस्थान का

महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रदेश में जहाँ भी सैनिक स्कूल शुरू किए जाएंगे वहां प्रदेश सरकार पूरी मदद करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विद्या भारती मध्यभारत प्रांत द्वारा यहां सम्राट विक्रमादित्य सैनिक स्कूल का निर्माण किया जा रहा है।

स्कूल परिसर में आधुनिक शिक्षा की सुविधा, सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण के लिए उच्च गुणवत्ता वाली सुविधाएं उपलब्ध रहेंगीं। नर्मदा नदी एवं नेशनल हाईवे-46 के पास वन एवं पर्वत श्रृंखलाओं से घिरे इस स्थान पर भारतीय सेना के कौशल और संस्कारों के साथ शिक्षा प्रदान की जाएगी। इस भवन की नींव नवग्रह विधान, वास्तु पुरुष एवं अन्य सांस्कृतिक मूल्यों पर रखी जा रही है द्य परिसर में शैक्षणिक खंड, ऑडिटोरियम खंड, रेसीडेंशियल खंड, स्विमिंग पूल, हॉकी मैदान, हॉर्स राइडिंग, शूटिंग रेंज सहित अन्य खेलों एवं साहसिक गतिविधियों के अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण की सुविधा रहेगी।

सम्राट विक्रमादित्य सैनिक स्कूल परिसर लगभग 40 एकड़ का होगा। विद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग आवासीय परिसर बनेंगे। विद्यालय में डे-बोर्डिंग की सुविधा भी रहेगी। विद्यालय का मुख्य भवन 24500 वर्ग मीटर में बनाया जाएगा। इसके साथ ही स्पोर्ट्स ग्राउंड, एथलेटिक्स ट्रैक, हॉकी मैदान, घुड़सवारी का मैदान, स्विमिंग पूल एवं शूटिंग रेंज भी बनाई जाएगी।

परिसर में अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सभाग्रह बनाया जाएगा। वहीं प्राकृतिक दृश्यों के बीच कक्षाएं विद्यार्थियों के भीतर रचनात्मकता जागने के लिए कला और शिल्प की कक्षा के लिए कक्ष होंगे।

लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने बनाई रणनीति

भोपाल। लोकसभा चुनाव की तैयारियों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यालय में लगातार दूसरे दिन बैठक का दौर चला। प्रदेश चुनाव समिति की बैठक में लोकसभा चुनाव को लेकर रणनीति तैयार की गई। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लगने से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के मध्य प्रदेश में दौरे होंगे। इसको लेकर बैठक में रणनीति तय की गई। प्रधानमंत्री का 11 फरवरी को झाबुआ में सभा प्रस्तावित है।

पार्टी के प्रदेश कार्यालय में रविवार को हुई प्रदेश चुनाव समिति की बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य डॉ. सत्यनारायण जटिया, लोकसभा चुनाव के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, राकेश सिंह, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद, केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते, वरिष्ठ नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा, अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य, पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह, रामपाल सिंह एवं महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष माया नारोलिया उपस्थित थीं। बैठक में चुनाव अभियान को लेकर मंथन हुआ। दीवार लेखन से लेकर गांव चलो अभियान और नव मतदाताओं को पार्टी से जोड़ने सहित हारे बूथ को लेकर भी चर्चा हुई। बैठक में तय किया गया कि विधानसभा चुनाव में जीते और हारे दोनों ही प्रत्याशियों को संयोजक, प्रभारी और सह प्रभारी की जिम्मेदारी दी जाएगी। वहीं बड़े नेताओं वाली सीटों पर वरिष्ठ पदाधिकारी को संयोजक और प्रभारी बनाया जाएगा। इसी तरह मंडल और बूथ स्तर पर भी प्रभारी सह प्रभारी और संयोजक बनाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट करेंगे। इसमें केन बेतवा लिंक परियोजना के भूमिपूजन सहित अन्य विकास संबंधी योजनाओं पर चर्चा कर सकते हैं। प्रधानमंत्री का 11 फरवरी को झाबुआ में कार्यक्रम प्रस्तावित है। वह जनसभा को संबोधित करेंगे।

सूत्रों के अनुसार केन बेतवा लिंक परियोजना का भूमिपूजन लोकसभा चुनाव की घोषणा से कराने की तैयारी चल रही है। मुख्यमंत्री इसको लेकर अधिकारियों को निर्देश दे चुके हैं।

कैबिनेट के सदस्यों की भी समय-समय पर ट्रेनिंग जरूरी-मुख्यमंत्री

भोपाल। सीएम मोहन यादव ने मध्य प्रदेश लीडरशिप समिट में कहा कि राज्य की मंत्री-परिषद के फैसलों का असर पूरे प्रदेश पर पड़ता है और इससे सूबे की समूची जनता प्रभावित होती है इसलिए कैबिनेट के सदस्यों की भी समय-समय पर ट्रेनिंग जरूरी होती है।

सीएम ने कहा कि मध्य प्रदेश लीडरशिप समिट यह मंत्री-परिषद की नेतृत्व क्षमता को विकसित करने वाला प्रबोधन कार्यक्रम है। इससे शासन में कुशलता और दक्षता आएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में मध्य प्रदेश लीडरशिप समिट में कैबिनेट के दो दिवसीय प्रशिक्षण और ओरिएंटेशन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंत्री-परिषद के सदस्यों का समय-समय पर प्रशिक्षण आवश्यक है।

प्रशिक्षण से शासन की बारीकियां सीखने का अवसर मिलेगा जिससे प्रशासन में कसावट आयेगी। इसका सीधा लाभ कैबिनेट के निर्णयों के माध्यम से प्रदेश की जनता को मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रशिक्षण से कैबिनेट के सदस्यों को भारत सरकार के मंत्रालयों और राज्य सरकार के विभागों के साथ तालमेल और समन्वय को सीखने का अवसर मिलेगा।

वरिष्ठ जन-प्रतिनिधि और नीति आयोग के विशेषज्ञों के व्याख्यानों से कैबिनेट का आत्मविश्वास बढ़ेगा। इससे ना केवल शासन में वरन व्यक्तिगत जीवन को भी अनुशासित और सफल बनाने में मदद मिलेगी।

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान मध्य प्रदेश द्वारा रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधनी संस्थान के साथ जन-प्रतिनिधियों के लिये दो दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम लीडरशिप समिट चल रही है।

समिट के पहले दिन जन-प्रतिनिधियों के ओरिएंटेशन के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव, वरिष्ठ जन-प्रतिनिधि और नीति आयोग के विशेषज्ञों की स्पीच के विभिन्न सत्र आयोजित हुए।

मध्यप्रदेश लीडरशिप समिट के पहले दिन रामभाऊ म्हालगी प्रबोधनी संस्थान के कार्यकारी संचालक डॉ. जयंत कुलकर्णी ने प्रशिक्षण की रूपरेखा और जरूरत पर प्रकाश डाला।

उज्जैन-इंदौर से अयोध्या के लिए नई ट्रेन की सौगात

उज्जैन। ट्रेन नम्बर 09329 (इन्दौर से अयोध्या) फतेहाबाद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई (झांसी), उरई, कानपुर, लखनऊ, होते हुए अयोध्या पहुंचेगी।

दिनांक 04/02/024 को भारतीय जनता पार्टी, रेल अधिकारियो और आई.आर.सी.टी.सी के अधिकारियो कि उपस्थिति में इन्दौर से प्रस्थान शाम 07.20 बजे होकर रतलाम होते हुए उज्जैन आगमन रात 11.20 बजे रहेगा तथा अयोध्या दिनांक 05/02/24 को शाम 05.20 बजे पहुंचेगी। पहले दिन लगभग 1470 यात्रियों ने टिकट बुक करें एवम लगभग 85 से अधिक यात्रियों ने उज्जैन से यात्रा की उज्जैन से गाडी संख्या 09329 (इन्दौर-अयोध्या स्पेशल) में यातायात निरक्षक एस.के.झा, गाडी के ट्रेन मेनेजर के पद पर प्रशांत पाठक, लोको निरक्षक जितेंद्र मीणा, लोको पायलट विनोद शर्मा एवं सहायक लोक पायलट रविंद्र वर्मा ने गाडी के आगमन पर उज्जैन में चार्ज लिया। तीनों रेल कर्मचारी उज्जैन मुख्यालय पर ही पदस्थ और रतलाम रेल मण्डल के है। गाड़ी में कुल 20 स्लीपर कोच, 02 गार्ड ब्रेकवान होकर कुल 22 सवारी डिब्बे है। वापसी में गाडी संख्या 09330 (अयोध्या-इन्दौर स्पेशल) अयोध्या से दिनांक 06/02/24 को चलकर दिनांक 07/02/24 को शाम 04.05 बजे उज्जैन आगमन रहेगा। गाड़ी के सुरक्षित, संरक्षित और समयपालन के लिए रेलवे द्वारा अधिकारियो को तैनात किया गया है।

उज्जैन मुख्यालय के ट्रेन मैनेजर प्रशांत पाठक, लो.पा-विनोद शर्मा, सहा.लो.पा रविंद्र वर्मा उज्जैन से बीना तक गाडी संख्या 09329 में कार्य करगे।

शिप्रा नदी में युवक को डूबने से बचाया

उज्जैन। डिस्टिक्ट कमांडेंट होमगार्ड श्री संतोष कुमार जाट ने बताया कि 5 फरवरी एसडीईआरएफ के जवान अपनी ड्यूटी मुस्तैदी से रामघाट पर कर रहे थे, उसी दौरान प्रातः 8.30 बजे रामघाट पर स्नान करते समय एक युवक नदी के बीचों बीच डूबने लगा।

डूब रहे युवक गुना निवासी 20 वर्षीय रमेश जाटव को ड्यूटी पर तैनात सैनिक श्री जितेन्द्र चन्देल ने त्वरित कार्यवाही करते हुए नदी में छलांग लगाकर लाईफबाय की मदद से युवक को पानी से बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार प्रदान करवाकर उसे सुरक्षित बचाया। जिला सैनानी श्री जाट ने बताया कि होमगार्ड के 30 जवान चौबीस घंटे तीन शिफ्टों में मय बोट एवं आपदा उपकरणों के साथ रामघाट पर तैनात रहते हैं और इस प्रकार की जलजनित घटनाओं में तत्काल कार्यवाही कर जनहानि को रोका जाता है। श्री जाट ने सैनिक श्री जितेन्द्र चन्देल को उनके साहसिक कार्य के लिये उत्साहवर्धन करते हुए नगद राशि से पुरस्कृत किया।

गुड़ी पड़वा पर लाख दीपों से रोशन होंगे क्षिप्रा के घाट

उज्जैन। 9 अप्रैल गुड़ी पढ़वा के अवसर पर शिव ज्योति अर्पणम् महोत्सव का अयोजन किया जाएगा जिसके तहत क्षिप्रा के पावन तटों पर 30 लाख दीप प्रज्जवलित करते हुए रोशन किया जाएगा एवं गीनिज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज करवाया जाएगा।

विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर श्री मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह, निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक द्वारा क्षिप्रा के घाटों का निरीक्षण किया गया एवं यहां की जाने वाली व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा की गई। शिव ज्योति अर्पणम् महोत्सव को लेकर नगर पालिक निगम द्वारा तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है इसी क्रम में जनप्रतिनिधियों के साथ प्रशासनिक अधिकारियों ने घाटों का निरीक्षण करते हुए यहां की व्यवस्थाएं देखी एवं महोत्सव की तैयारियों के संबंध में चर्चा करते हुए घाटों के चयन, साफ सफाई, प्रकाश व्यवस्था के साथ ही अन्य आवश्यक व्यवस्था निर्धारित करने के निर्देश दिए।

सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों का 15 तारीख को सम्मान समारोह आयोजित किया जायेगा

उज्जैन। प्रतिमाह सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों का प्रतिमाह 15 तारीख को कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह के निर्देशन में पेंशन कार्यालय द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया जायेगा।

संभागीय पेंशन अधिकारी ने इस सम्बन्ध में जिले के समस्त कार्यालय प्रमुख/आहरण संवितरण अधिकारियों से आग्रह किया है कि अपने-अपने कार्यालय में सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरण सेवा निवृत्ति के दो माह पूर्व अनिवार्य रूप से सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल भवन के प्रथम तल के कक्ष क्रमांक-146 में संभागीय पेंशन अधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत करें। 31 जनवरी को सेवानिवृत्त होने वाले लम्बित पेंशन प्रकरणों को तत्काल पेंशन कार्यालय में प्रस्तुत किया जाये ताकि कलेक्टर द्वारा दिये गये निर्देश अनुसार सम्मान समारोह आयोजित कर पीपीओ एवं जीपीओ वितरित किया जा सके।

नर्सिंग सेवा छोड़कर पेंट से कर रहे रंगाई-पुताई

उज्जैन। जिला अस्पताल में एनकॉस की टीम आने वाली है। यह टीम अस्पताल में अधोसंरचना, उपकरणों की स्थिति से लेकर दी जा रही सेवा का मूल्यांकन करेगी। मूल्यांकन के नम्बर इस टीम द्वारा दिए जाएंगे। ये नम्बर प्रदेश स्तर पर सभी जिलों में जाने वाली टीम द्वारा मौके पर मिली स्थिति अनुसार दिए जाएंगे। प्रदेश में जो जिला अस्पताल अव्वल आएगा, उसे लाखों रुपये का पुरस्कार प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिया जाएगा। इसके चलते इन दिनों जिला अस्पताल के सभी वार्डो,ऑप्रेशन थियेटर,ड्रेसिंग रूम,इंजेक्शन लगानेवाले कक्ष,दवाई वितरण कक्ष से लेकर ओपीडी के विशेषज्ञ कक्षों तक में साफ-सफाई से लेकर रंगाई-पुताई का काम चल रहा है। खास बात यह है कि यह काम किसी आउटसोर्स कम्पनी द्वारा नहीं किया जा रहा है। दीपावली की सफाई की तर्ज पर अस्पताल का नर्सिंग अमला,चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी आदि के द्वारा किया जा रहा है।

बातचीत में कतिपय स्टॉफ का कहना है कि उनके द्वारा अपने ड्यूटी समय में यह काम किया जा रहा है क्योंकि उन्हे कहा गया है। निर्देश हैं कि अपने अपने जिम्मेदारीवाले वार्डो,कक्षों में रखरखाव से लेकर सफाई और पुताई तक काम स्वयं करें। इसलिए वे नर्सिंग सेवा से हटकर इस काम में युद्ध स्तर पर जुटे हुए हैं। ताकि पुरस्कार मिल सके। इस प्रश्न पर कि मरीजों के परिजनों तथा मरीजों का स्वयं आरोप है कि उनकी परिचर्या ठीक तरीके से नहीं हो रही है? जवाब आता है- एक समय में एक काम करवा लो। या तो नर्सिंग सेवाएं ले लो या फिर सफाई, पुताई आदि करवा लो।

इस संबंध में जिला अस्पताल के आरएमओ डॉ. नितराज गौड़ का कहना है कि एनकॉस की टीम शिघ्र आने वाली है। भोपाल एवं देवास के एक-एक डॉक्टर द्वारा सभी चीजों का मूल्यांकन किया जाएगा। टीम देखेगी कि सर्विस किस स्तर की दी जा रही है। उपकरणों का रखरखाव एवं गुणवत्ता कितनी है। यदि सेवाएं अच्छी निकली तो प्रदेश स्तर पर लाखो रूपए का पुरस्कार मिलेगा, जिससे पुनः अस्पताल का कायाकल्प किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि नर्सिंग आदि स्टॉफ इस काम में जुटा हुआ है।

स्वताधिकारी/प्रकाशक मनमोहन शर्मा के लिये साप्ताहिक उज्जैन टाइम्स 110, तिरुपति एवेन्यू, होटल नत्रक्ष के पीछे, पंचक्रोशी मार्ग, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं ज्योति ट्रेडर्स एवं प्रिन्टर्स न्यू रोड़, उज्जैन से मुद्रित।
● प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा मोबा. 9827233734 manmohan680@gmail.com (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)। (म.प्र. शासन से 01-04-1997 से समाचार पत्र विज्ञापनों हेतु अनुमोदित)